[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8156 **GC** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 62136938

Name of the Paper : Yogasūtra of Patañjali

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit : Skill Enhancement Course**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×7=35)

Explain the following :

(क) योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।

P.T.O.

अथवा / OR

तदा द्रष्टुः स्वरूपेऽवस्थानम् ।

(ख) श्रद्धावीर्यस्मृतिसमाधिप्रज्ञापूर्वक इतरेषाम् ।

अथवा / OR

तस्य वाचकः प्रणवः ।

(ग) अस्तेयप्रतिष्ठायां सर्वरत्नोपस्थानम् ।

अथवा / OR

शौचात्स्वाङ्गजुगुप्सा परैरसंसर्गः ।

(घ) स्वविषयासम्प्रयोगे चित्तस्वरूपानुकार इवेन्द्रियाणां प्रत्याहारः ।

अथवा / OR

ततो द्वन्द्वानभिघातः ।

(ङ) देशबन्धश्चित्तस्य धारणा ।

अथवा / OR

तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव समाधिः ।

2. 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' सूत्र का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए । (10)

Describe the sutra 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' in detail.

अथवा / OR

चित्तवृत्तियों पर लघु निबन्ध लिखिए ।

Write a short essay on cittavṛtti's (functions of the mind).

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :- (5×2=10)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) भवप्रत्यय – Bhavapratyaya

(ii) सम्प्रज्ञात योग – Samprajyāta Yoga

(iii) ईश्वर – Īśvara

(iv) ईश्वरप्रणिधान – Īśvarapraṇidhān

4. प्राणायाम का स्वरूप निरूपित कीजिए तथा इसके प्रकारों का वर्णन कीजिए । (10)

Discuss the nature of Prāṇāyām (breath exercise) and describe its types.

अथवा / OR

नियम के प्रकारों का वर्णन कीजिए ।

Describe the types of Niyama (observance)

5. "आधुनिक युग में योगसूत्र में वर्णित 'यम' के विभिन्न प्रकार मानव-मूल्य के रूप में प्रासंगिक है" इस कथन की समीक्षा कीजिए । (10)

Critically examine the relevance of '*Yama*' as described in the *Yoga-Sūtra* as a human- value in modern time.

अथवा / OR

विद्यार्थी जीवन में यम की महत्ता स्पष्ट कीजिए ।

Explain the importance of Yama (restraint) in student life.